सत्यमेव जयते

खंड ४ संख्या १

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

(भाग २—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर रहित)

वृहस्पतिवार, तिथि १३ नवम्बर, १९५८

Vol. IV No. 1

The Bihar Legislative Assembly Debates

Official Report

(Part II—Proceedings other than Questions and Answers)

Thursday, the 13th November, 1958

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय
बिहार, पटना, द्वारा मुद्रित
१९५९

[मूल्य—३७ नये पैसे।]
[*Price—37 Naye Paise.*]

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में शुक्रवार, तिथि १४ नवम्बर १९५८ को ११ बजे पूर्वाह्न में अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

तारांकित प्रश्नोत्तर।

Starred Questions and Answers

PAYMENT OF ARREAR SALARIES AND TRAVELLING ALLOWANCES.

32. Shri **RADHANANDAN JHA** : Will the Minister incharge of Irrigation Department be pleased to state—

(1) whether it is a fact that there are 17 Assistant Engineers incharge of Minor Irrigation at the district headquarters ;

(2) whether it is a fact that they have not received their salaries and travelling allowances since April, 1958 which has put them to great hardship ;

(3) if the answers to the above clauses be in the affirmative, do Government propose to clear off their dues, if not, why ?

श्री केदार पांडे—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) औपचारिकताओं के कारण अस्थायी पद की स्वीकृति की अवधि २८ फरवरी, १९५८ से बढ़ाने में कुछ विलम्ब हो गया जिससे अभियंताओं को वेतन इत्यादि समय पर नहीं मिल रहा था। लेकिन १८ सितम्बर, १९५८ को पद की स्वीकृति की अवधि बढ़ा दी गई है और अब वेतन इत्यादि के मिलने में कोई कठिनाई नहीं है।

(३) खंड (२) के उत्तर को ध्यान में रखते हुए यह प्रश्न नहीं उठता है।

श्री राधानन्दन झा—क्या सरकार यह बताने की कृपा करेंगे कि अप्रैल सन् १९५८ से पेमेन्ट उन लोगों को नहीं मिला है वह कबतक मिलने की संभावना है और सरकार कबतक उन लोगों को पेमेन्ट देने जा रही है ?

श्री केदार पांडे—अभी पूरा पेमेन्ट नहीं हुआ है बल्कि बहुत कुछ पेमेन्ट हो चुका है और कुछ होने जा रहा है।

श्री राधानन्दन झा—सरकार कबतक उन लोगों को पूरा पेमेन्ट करन जा रही है ?

श्री केदार पांडे—उनका पेमेन्ट शीघ्र हो जायगा। उसमें कोई दिक्कत नहीं है।

श्री कृष्णकांत सिंह—(१) अभी २३ जून १९५८ से भागलपुर जिले में उप-अधीक्षक, शिक्षा श्री चंडी प्रसाद झा हैं। उसके पूर्व इन्होंने भागलपुर में अवर विद्यालय निरीक्षक के पद पर १० जून १९५८ से काम किया था।

(२) उत्तर नकारात्मक है। श्री झा ने पुरुलिया जिले में कभी भी काम नहीं किया है।

श्री कपिलदेव सिंह—क्या सरकार यह बताएगी कि भागलपुर में काम करने के पहले पुरुलिया जिले के शिक्षा विभाग में वे कहीं काम करते थे ?

श्री कृष्णकांत सिंह—चूंकि यह प्रश्न श्री चंडी प्रसाद झा से संबंधित है इसलिए यह प्रश्न नहीं उठता है।

श्री कपिलदेव सिंह—पर इस सवाल में कहीं नाम तो नहीं दिया गया है? इसलिए मैं पूछता हूं कि ये पुरुलिया जिले के शिक्षा विभाग में कहीं काम करते थे या नहीं?

श्री कृष्णकांत सिंह—सवाल को देखा जाय हुजूर। मेरे जानते तो यह सवाल नहीं उठता है।

OPENING OF PRIMARY SCHOOLS.

61. Shri RADHANANDAN JHA : Will the Education Minister be pleased to state—

(1) whether there is any definite proposal before the State Government to open one Primary School at a distance of every one mile throughout the State ;

(2) if so, the period by which this proposal will be implemented ?

श्री कृष्णकांत सिंह—(१) अभी तक ऐसा कोई निश्चित प्रस्ताव नहीं है परन्तु यह कहा जा सकता है कि भारत सरकार के निदेशानुसार ६ से ११ वर्ष के बच्चे बच्चियों को १९६५-६६ के अन्त तक सारे राज्य में निःशुल्क एवं अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा देने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। अनिवार्य शिक्षा के लक्ष्य की पूर्ति के लिए राज्य में शैक्षिक सर्वेक्षण किया गया है। विद्यालय जाने वाले बच्चे बच्चियों के सुविधा एवं सुगमता को दृष्टि में रखते हुए यह सोचा जाता है कि मोटा-मोटी तौर पर १ मील के व्यासार्द्ध (रेडिअस) पर एक-एक प्राथमिक विद्यालय खोलना पड़ेगा।

(२) इसका उत्तर प्रश्न (१) के उत्तर में सन्निहित है।

श्री राधानन्दन झा—क्या सरकार ने शैक्षिक सर्वे कराया है?

श्री कृष्णकांत सिंह—सर्वे हो चुका है।

श्री कर्पूरी ठाकुर—सर्वे कराने के बाद क्या सरकार बता सकती है कि इस तरह के कितने विद्यालय खोलने पड़ेंगे?

श्री कृष्णकांत सिंह—ठीक नम्बर तो अभी नहीं बताया जा सकता है लेकिन अभी मैंने कहा है कि मोटा-मोटी तौर पर एक मील के रेडियस पर एक-एक विद्यालय खोलना पड़ेगा।

श्री कर्पूरी ठाकुर—क्या सरकार सर्वे रिपोर्ट को सदन के सामने रखना चाहती है?

श्री कृष्णकांत सिंह—पब्लिश होने पर सदन के सामने आ जायगा।

पटना :
तिथि १४ नवम्बर १९५८।

इनायतुर रहमान,
सचिव, बिहार विधान-सभा।

विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा

SPEAKER